उठने लगा है भरोसा परीक्षा तंत्र से

एक और परीक्षा का पेपर लीक, कुछ और गिरफ्तारियां और समूचा परीक्षा तंत्र संदेह के घेरे में। यूपी में अधीनस्थ चयन आयोग की ट्यूबवेल ऑपरेटर की परीक्षा के पेपर लीक की ताजा घटना एक बार फिर युवाओं का दिल तोड़ने वाली साबित हुई है। सरकार-प्रशासन चौकसी के चाहे जितने बड़े इंतजाम कर ले, परचा लीक गिरोहों की सिस्टम में अंदर तक घुसपैठ ने साबित किया है कि उनके पास हर ताले की चाबी है। पर इससे जो सबसे ज्यादा आहत है, वह देश का युवा है जो यह सोचने लगा है कि परीक्षा केंद्र में उनके जूते, जुराबें, घड़ी, कंगन, टॉप्स और कुछेक मामलों में कमीजें तक उतरवा लेने वाला यह तंत्र कैसा है, जो सिर्फ उन पर नजर रखता है लेकिन अपने अंदर पैठते घुनों का कोई इलाज नहीं जानता।

हालिया घटना उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन आयोग के तहत ट्यूबवेल ऑपरेटर जैसी निचले दर्जे की नौकरी की परीक्षा की है, जिसका 2 सितंबर को आयोजित पेपर परीक्षा से पहले लीक हो गया। मामले के गुनहगार पकड़ में आए तो पता चला कि जिस कोषागार की दोहरी सुरक्षा (डबल लॉक) के बीच वह पेपर रखा था, उसी कोषागार में तैनात कर्मचारी पेपर ले उड़ा। लिहाजा परीक्षा आनन-फानन में रद्द करनी पड़ी। इस घटना ने 3210 पदों के लिए परीक्षा में बैठ रहे दो लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों के मन में यह सवाल पैदा किया है कि आखिर यह कैसा परीक्षा तंत्र है जो पर्चों को सुरक्षित रखने का माकूल प्रबंध नहीं कर पाता है। मामले में पकड़ा गया टीचर करोड़पति निकला। आखिर इससे पहले उसकी बेहिसाब दौलत पर उस सिस्टम की नजर क्यों नहीं गई जो परीक्षार्थियों की कलम तक में ब्लूटूथ जैसे इंतजाम खोज निकालने का दावा करता है।

इस साल के आरंभ में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की परीक्षाओं में 17 से 21 फरवरी के बीच पेपर लीक की घटनाओं ने कई सवाल खड़े कर दिए थे। ये घटनाएं छात्रों को इतना व्यथित करने वाली साबित हुईं कि वे धरने-प्रदर्शन और आंदोलन के लिए मजबूर हो गए। 21 फरवरी को एसएससी ने एक प्रश्नपत्र के जवाब सोशल मीडिया पर वायरल होने की शिकायत आने के दावे को गलत बताया था, लेकिन छात्रों ने इस परीक्षा के प्रश्नपत्र के जवाबों का वायरल हुआ स्नैपशॉट दिखाया था। उम्मीदवारों ने यह दावा भी किया था कि अगस्त 2016 के बाद जब से एसएससी की परीक्षाएं ऑनलाइन हुई हैं, सभी में धांधली हुई है। इन प्रकरणों से पेपर लीक रोकने के मौजूदा प्रबंध और परीक्षा की ऑनलाइन व्यवस्था, दोनों ही संदेह के घेरे में आ चुकी हैं।

उल्लेखनीय है कि करीब एक दशक पहले देश के सातों आईआईएम की संयुक्त परीक्षा यानी कैट एग्जाम ऑनलाइन कराने का एक प्रयोग किया गया था। अमेरिकी कंपनी प्रोमेट्रिक को 32 शहरों के 105 केंद्रों पर ऑनलाइन परीक्षा संचालित करने का ठेका देकर यह भरोसा जताया गया था कि परीक्षा के सफल आयोजन की सारी तैयारी की गई है। लेकिन कैट परीक्षा के पहले ही दिन ऐसे सारे दावों की कलई खुल गई। उस वक्त नौ शहरों के 11 केंद्रों पर परीक्षा रद्द करनी पड़ी।

सभी केंद्रों पर ऑनलाइन परीक्षा सुचारु रूप से संपन्न हो सके, इसलिए सभी केंद्रों के इंतजामों की जांच करने के लिए एक ऑडिट एजेंसी नियुक्त की जाती है। यह एजेंसी सभी परीक्षा केंद्रों पर सॉफ्टवेयर की सुरक्षा जांचने के अलावा सभी केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी के प्रबंध, पावर बैकअप यानी बिजली जाने की सूरत में उसके वैकल्पिक इंतजाम, अतिरिक्त कंप्यूटरों की उपलब्धता, अतिरिक्त सर्वर, एयर कंडीशनिंग की सुविधा आदि तैयारियों का आकलन करते हुए सुनिश्चित करती है कि किसी भी स्तर पर भूलचूक और सेंधमारी की गुंजाइश न रहे। परीक्षाओं के ऑनलाइन प्रबंध की यह कहते हुए आलोचना की जाती है कि इसमें शहरी पृष्ठभूमि वाले और इंजीनियरिंग व कॉमर्स के छात्र-छात्राओं को बढ़त मिल जाती है क्योंकि वे तकनीकी प्रबंधों को लेकर सहज रहते हैं। इन प्रवेश परीक्षाओं की आलोचना इसलिए होती रही है कि इनमें गणनात्मक योग्यता, तार्किकता, शाब्दिक योग्यता और अंग्रेजी के भाषा ज्ञान पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है।

जिस तरह कई राजनीतिक दल चुनावों में वोटिंग की इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था यानी ईवीएम को संदिग्ध मानते हैं, उसी तरह नौकरी और प्रतियोगी परीक्षाओं के ऑनलाइन प्रबंध को लेकर युवाओं में अविश्वास पैदा हो गया है। उनके मन में इस अविश्वास को और गहरा कर दिया है कि कहीं ऑनलाइन परीक्षा के नाम पर सिस्टम में बैठे लोग मिलीभगत करके सिर्फ अपने लोगों या पैसा देने वालों का ही रास्ता तो साफ नहीं कर रहे हैं।

जिस तकनीक से परीक्षा ली जाती है, उससे किसी भी कंप्यूटर का रिमोट एक्सेस (कहीं से भी कंप्यूटर को कंट्रोल करना) आसानी से किया जा सकता है। ऐसे में जरूरी हो गया है कि ऑनलाइन शिक्षा और परीक्षा पद्धति को नई जरूरतों के अनुसार परखा जाए।

आरबीआई ने दिया बैंकों से सरकार तक को कड़ा संदेश

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने यस बैंक के सीईओ राणा कपूर को तीन साल का कार्यकाल पूरा करने से रोक दिया। केंद्रीय बैंक ने इस कार्रवाई से बैंकिंग सेक्टर के मैनेजमेंट से लेकर केंद्र सरकार तक को कड़ा संदेश दिया है। पहली चेतावनी सीधे-सीधे सीईओज को दी गई है कि वे बैंक में अपने शेयरों के दाम बढ़ाने के लिए आजाद हैं, लेकिन हवा-हवाई तरीके से नहीं। राणा कपूर को आरबीआई की नाराजगी इसलिए झेलनी पड़ी क्योंकि उन्होंने फंसे कर्ज को भी नॉन-परफॉर्मिंग ऐसेट्स (एनपीए) घोषित नहीं किया।

सिर्फ यस बैंक ही ऐसा करनेवाला नहीं है। आरबीआई की ओर से की गई बैंकों की ऐसेट क्वॉलिटी की पड़ताल से ऐक्सिस बैंक में भी ऐसी ही समस्याएं सामने आईं और सीईओ शिखा शर्मा का कार्यकाल बढ़ाने पर भी पाबंदी लग गई। वह इस वर्ष के आखिर में ऐक्सिस बैंक से हट जाएंगी। लेकिन, शिखा शर्मा एक प्रफेशनल मैनेजर हैं तो राणा कपूर यस बैंक के सह-संस्थापक हैं और उनका यस बैंक में शेयर है। आरबीआई चाहता है कि कपूर 31 जनवरी के बाद अपने पद से हट जाएं।

आरबीआई की दूसरी चेतावनी है- वह बैंक प्रबंधन में बैठे व्यक्ति के अच्छे व्यवहार के एवज में किसी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं करेगा। चूंकि बैंकों से कठिन परिस्थितियों में भी कमाई करने की उम्मीद की जाती है, इसलिए अब से मैनेजमेंट संभालनेवालों के लिए एक ही पैमाना होगा- सत्ता अपने साथ जिम्मेदारी लेकर आती है।

तीसरी चेतावनी यस बैंक के चेयरमैन अशोक चावला और आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन गिरीश चंद्र चतुर्वेदी के लिए है। ये दोनों पूर्व में नौकरशाह रह चुके हैं। उनकी पुराने बॉस, यानी भारत सरकार ने भले ही गुड गवर्नेंस पर बहुत ध्यान नहीं दिया हो, लेकिन आरबीआई को उनसे और उनके बोर्ड से बेहतरी की उम्मीद है। चतुर्वेदी के पूर्ववर्ती आईसीआईसीआई की सीईओ चंदा कोचर पर हितों के टकराव (कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंट्रेस्ट) का आरोप लगने पर तुरंत उनकी साफ-सुथरी छवि का प्रमाण पत्र देने लगे। बोर्ड ने बाद में जाकर स्वतंत्र जांच का आदेश दिया। आरबीआई का स्पष्ट संदेश है कि इस तरह सीईओ की पूजा प्रथा खत्म होनी ही चाहिए।

आरबीआई गवर्नर उर्जित पटेल की चौथी चेतावनी सरकार को है। जब केंद्र सरकार 13 लाख करोड़ रुपये के पीएनबी फ्रॉड का दोष आरबीआई के मत्थे मढ़ने की कोशिश की थी तो पटेल ने स्पष्ट कहा था कि उनके पास पीएनीबी जैसे सरकारी बैंकों पर प्राइवेट बैंकों जितना अधिकार नहीं है। पहले ऐक्सिस और अब यस बैंक पर कड़े कदम उठाकर वह सरकार को याद दिलाना चाहते हैं कि जहां उनके पास अधिकार है, वहां कठोर कार्रवाई हो रही है। मसलन, उनका इशारा यह है कि मुश्किल में फंसे पावर प्लांट्स (ऊर्जा संयंत्रों) को दिए लोन फंस जाने पर बैंकों को अपने बट्टे खाते में डालने का आइडिया सही नहीं है। इस मामले में आरबीआई कुछ नहीं कर सकता, भले ही बैंकर खुद इस पर कड़े निर्णय की चाहत क्यों नहीं रखते हों।

अब इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग ऐंड फाइनैंशल सर्विसेज लि. और इसके 169 सब्सिडरीज, असोसिएट्स और जॉइंट वेंचर्स के साम्राज्य समेत देश की पूरी फाइनैंस इंडस्ट्री को आरबीआई की यह आंच महसूस करनी चाहिए।

आईएलऐंडएफएस ग्रुप का जिक्र यहां बहुत जरूरी है क्योंकि अब जब यह समय पर कर्ज नहीं चुका रहा है, तब यह स्पष्ट हो गया है कि आरबीआई ने इसकी गड़बड़ गतिविधियों पर ध्यान नहीं दिया था।

अब हवाई सफर के दौरान नहीं मिलेगा नाश्ता, जेट एयरवेज ने लागू किया नया नियम

नई दिल्ली। हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक बड़ी खबर है। अब आपको हवाई यात्रा करने के दौरान फ्लाइट में खाना नहीं दिया जाएगा, यात्रियों को केवल मुफ्त पानी, चाय और कॉफी ही दी जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार घाटे से गुजर रही देश की प्रमुख एयरलाइन कंपनी जेट एयरवेज ने यह फैसला लिया है। कंपनी का यह नया नियम आगामी 28 सितंबर से पूरे देश में लागू कर दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार कंपनी का यह नया नियम केवल इकोनॉमी क्लास में यात्रा करने वाले यात्रियों पर लागू होगा। जेट एयरवेज ने इस फैसले के बाद टिकट के दाम भी काफी सस्ते हो जाएंगे, क्योंकि यात्रियों से नाश्ता व खाने के लिए किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जाएगा।हालांकि अगर यात्री चाहेंगे तो वो भुगतान करके खाने-पीने का सामान खरीद सकते हैं। गौरतलब है कि जेट एयरवेज से यात्रा करने वाले यात्रियों को सफर के दौरान खाना मिलता है और इसका पैसा भी टिकट में शामिल होता है। यह नियम जेट की सभी छोटी और बड़ी उड़ानों पर लागू होता है। आपको बता दें कि हवाई ईंधन के दामों में बढ़ोतरी और इंडिगो द्वारा ज्यादा मार्केट शेयर हासिल करने से बाद से कंपनी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 2018 के वित्त वर्ष में जेट एयरवेज को 767 करोड़ रुपये का घाटा उठाना पड़ा है।

बैडमिंटन : चीन ओपन के क्वर्टर फाइनल में श्रीकांत

चांग्झू। भारत के अग्रणी पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को चीन ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वर्ल्ड नम्बर-8 श्रीकांत ने पुरुष एकल वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के सुप्पानयु अविंघसानोन को मात दी।

श्रीकांत ने एक घंटे और दो मिनट तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में वर्ल्ड नम्बर-23 सुप्पानयु को 12-21, 21-15, 24-22 से मात देकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच तीसरा गेम बेहद रोमांचक रहा। श्रीकांत ने तीसरे गेम में शुरुआत में अच्छी बढ़त हासिल की थी, लेकिन सुप्पानयु ने अंक बटोरते हुए भारतीय खिलाड़ी के

खिलाफ अपना स्कोर 12-12 से बराबर कर लिया।

श्रीकांत ने इसके बाद वापसी कर थाईलैंड के खिलाड़ी को 18-16 से पछाड़ा और जीत की ओर बढने का प्रयास जारी रखा, लेकिन एक बार फिर सुप्पानयु ने आगे बढ़ते हुए अंक हासिल किए और स्कोर 22-22 से फिर बराबर कर लिया। यहां कोई भी गलती न करते हुए भारतीय खिलाड़ी ने दो अंक हासिल कर तीसरा गेम 24-22 से जीत लिया।

इसके अलावा, मिश्रित युगल वर्ग के दूसरे दौर में अश्विनी पोनप्पा और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और अश्विनी की जोड़ी को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन की झेंग सिवेई और हुआंग याकियोंग की जोड़ी ने 28 मिनटों के भीतर सीधे गेमों में 21-14, 21-11 से मात देकर बाहर का रास्ता दिखाया।

भारतीय टीम को बड़ा झटका, एशिया कप से बाहर हुआ हार्दिक पंड्या

नई दिल्ली। हाल ही में शुरू हुए एशिया कप में भारत ने अच्छी सुरूआत करते हुए पहले दो मैचों में जीत दर्ज की है। इन जीतों में भारतीय गेंदबाजों का काफी बड़ा योगदान रहा है। लेकिन अब ऐसी खबर मिली है, जिससे न केवल भारतीय क्रिकेट टीम के फैनस दुखी होंगे, बल्कि टीम की बोलिंग स्टैटर्जी भी बदल सकती है।

दरअसल दिग्गज खिलाड़ी हार्दिक पंड्या अपनी कमर की चोट के कारण एशिया कप से बाहर हो गए हैं। उनकी चोट ने तब गंभीर रूप धारण कर लिया था,

जब वह बीच मैच में जमीन पर गिर गए, जिसके बाद उन्हें स्टेचर पर लेटाकर फील्ड से बाहर ले जाना पड़ा।

बता दें कि एक ओर विराट कोहली टीम में नहीं हैं और अब हार्दिक भी चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे, इससे टीम के कमजोर होने का अंदेशा जताया जा रहा है। वहीं बीसीसीआई ने हार्दिक की जगह दीपक चाहर को टीम में शामिल किया है, जिसकी पुष्टी भी बीसीसीआई ने कर दी है। बीसीसीआई ने कहा, भारतीय टीम में हार्दिक, अक्षर और शार्दुल के स्थान पर एशिया कप के लिए अब दीपक चहर, रवींद्र जड़ेजा और सिद्धार्थ कौल को शामिल किया गया है।

6 पैसे महंगा हुआ पेट्रोल, डीजल में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। देश के 4 मेट्रो शहरों में गुरुवार को पेट्रोल की कीमतों में इजाफा हुआ, लेकिन डीजल के दाम लगातार दूसरे दिन स्थिर रहे। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर 6 पैसे का इजाफा हुआ, जबकि चेन्नै में 7 पैसे की बढ़ोतरी हुई।

गुरुवार को दिल्ली में पेट्रोल 82.22 रुपये, मुंबई में 89.60 रुपये, चेन्नै में 85.48 रुपये और कोलकाता में 84.07 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। बात अगर डीजल के दाम की करें तो दिल्ली में यह 73.87 रुपये, मुंबई में 78.42 रुपये, चेन्नै में 78.10 रुपये और कोलकाता में 75.72 रुपये प्रति लीटर है। बुधवार को भी डीजल के दाम यही थे।

एलआईसी का तिमाही ब्याज नहीं चुका पाया होटल लीलावेंचर

नई दिल्ली। नकदी संकट से जूझ रही कंपनी होटल लीलावेंचर भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कर्ज का तिमाही ब्याज चुकाने में असफल रही है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। होटल लीलावेंचर पर फिलहाल 3,600 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज बकाया है।

कंपनी ने दिसंबर 2008 में एलआईसी को निजी नियोजन के आधार पर 90 करोड़ रुपये का सुरक्षित भुनाने योग्य गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी किया था। उसने कहा, ''कंपनी 2.12 करोड़ रुपये का तिमाही ब्याज चुकाने में असफल रही है जो 19 सितंबर 2018 तक भुगतान करना था।

नंबर है स्टेबल तो आंखों से उतर सकता है चश्मा

चश्मा पहनते-पहनते आप उब गए हों, तो बॉलिवुड स्टार शाहरूख खान, जूही चावला, इंटरनैशनल गोल्फ प्लेयर टाइगर वुड्स की तरह मॉडर्न टेक्नॉलजी पर भरोसा कर सकते हैं। सेंटर फॉर साइट के चीफ डॉक्टर महिपाल सचदेव का कहना है लेजिक और स्माइल ऐसी तकनीक है जो चश्मे उतारने में काफी कारगर साबित हो रही है। यह तकनीक इस्तेमाल तभी होती है जब मरीज के आंखों का नंबर स्टेबल यानी स्थिर हो जाता है और उसकी उम्र कम से कम 20 साल हो। डॉक्टर कुछ टेस्ट के बाद इस तकनीक का इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं।

लेजिक की तुलना में बेहतर तकनीक है स्माइल

डॉक्टर सचदेव ने कहा कि लेजिक 25 साल पुरानी तकनीक है, जो पूरे विश्व में इस्तेमाल हो रही है। 98 पर्सेंट मरीज इससे खुश होते हैं। यह दो प्रकार का होता है। एक ब्लेड वाला जिस पर 45 हजार का खर्च होता है और दूसरा ब्लेड फ्री वाला जिस पर 70 से 80 हजार का खर्च होता है। आजकल स्माइल तकनीक ऐसी है जो सबसे लेटेस्ट है और यह लेजिक की तुलना में काफी बेहतर साबित हो रही है। इसमें फ्लैप बनाने की जरूरत नहीं होती है और यह ब्लेड फ्री है। इसके बाद मरीज बॉक्सिंग से लेकर हर प्रकार की ऐक्टिविटी कर सकता है, इसमें कोई दिक्कत नहीं होती है। यही वजह है कि अब लोग इसे ज्यादा अपना रहे हैं।

माइनस 10 तक का चश्मा उतारने में सक्षम

खास बात यह है कि लेजिक में जहां चीरा 22 एमएम का होता है वह इसमें केवल 2 एमएम का ही होता है, जिससे रिकवरी भी बेहतर होती है। यह माइनस 10 तक का चश्मा उतारने में सक्षम है और विजन की रिकवरी भी जल्दी होती है। इसमें सिंगल लेजर के जरिए ट्रीटमेंट किया जाता है। ऑपरेशन के बाद लेजिक में चीरा बड़ा होने की वजह से आंख में ड्राइनेस होती है। वहीं इसमें यह ड्राइनेस भी कम हो जाती है। लेजिक की तुलना में इसका आउटकम और बेहतर हो गया है। हालांकि यह लेजिक की तुलना में थोड़ा महंगा है। इस पर लगभग 1.30 लाख तक का खर्च आता है।

राशिफल

मेषः आज महत्वाकांक्षी प्रकृति वालों के लिए शुभ फलदायक रहेगा। पहला दिन यात्रा में लाभप्रद रहेगा। दोपहर बाद किसी उच्च अधिकारी से वाद-विवाद होने पर कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है। सायंकाल के समय योजनापूर्ति से लाभ होगा। अतिथि आगमन से खर्चा बढ़ने की संभावना है।

वृषभः आज जायदाद से संबंधित विवाद में हानि हो सकती है। भौतिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी। आप अपनी बातों को लोगों के समक्ष दृढ़तापूर्वक रखने में कामयाब होंगे।

मिथुनः आज नवीन व्यापार के लिए नई योजनाएं बनेंगी। ऋण भार में कमी होगी। भौतिक साधनों पर व्यय होने का योग है। व्यर्थ व्यय से बचें।

कर्कः आज भौतिक सुख समृद्धि में वृद्धि होगी। कुटुम्बीजनों, सहकर्मियों से प्रगाढ़ता बढ़ेगी। सायंकाल से रात्रि तक का समय आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यों पर व्यतीत होगा। शुभ व्यय भी हो सकता है, जिससे आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

सिंहः आज पुराने मित्रों के सहयोग से कार्यक्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। बुद्धि विवेक से लिए गए निर्णय लाभप्रद रहेंगे। सायंकाल से रात्रि का समय किसी राजनैतिक समारोह में व्यतीत होगा।

कन्याः आपके खर्चे कम हो जाने से आपकी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। अच्छे वाहन का सुख प्राप्त होगा। कुटुम्बीजनों से मतभेद बढ़ सकता है।

तुलाः धन प्राप्ति से कोष वृद्धि होगी। नौकरी वाले जातकों के अधिकारों में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षा या राजनैतिक प्रतिस्पर्धा में आपको विजय प्राप्त होगी।

वृश्चिकः मकर राशि का चन्द्रमाआज अकस्मात् किसी महान अधिकारी या नेता से परिचय करवा सकता है। खाने को उत्तम प्रकार के व्यंजन मिलेंगे। खान-पान पर विशेष नियंत्रण भी रखें अन्यथा पेट खराब हो सकता है।

धनुः नवीन व्यापार के लिए नई योजनाएं बनेंगी जो आगे चलकर धन लाभ कराएगी। आज आपको भाई-बहनों का सुख व सहयोग प्राप्त होगा। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी।

मकरः अपनी वाक्पटुता व कला कौशल से शत्रु के षड्यंत्र को विफल करने का प्रयास करें। लेनदेन में सावधानी बरतें। धन हानि की आशंका है।

कुंभः आपके पुराने रुके हुए कार्य झंझटों व खर्चा करने के बाद पूर्ण हो जाएंगे। शत्रु पक्ष लज्जित होगा। सायंकाल किसी धार्मिक समारोह में जाने का अवसर मिलेगा।

मीनः आज आपकी राशि से एकादश भाव में चन्द्रमा कोष वृद्धि कारक है। व्यापार की दृष्टि से आज का दिन अनुकूल रहेगा। सर्दी-गर्मी की परेशानी हो सकती है।

खाना/खजाना- केले के चिप्स

कितने लोगों के लिए - 4

सामग्री - तलने के लिए तेल, सेंधा नमक स्वादानुसार, 5-6 कच्चे केले।

विधि - केलों को छीलकर नमक मिले ठंडे पानी में डाल दें। चिप्स स्लाइजर से केले के चिप्स काटकर पानी में डालते जायें। 10 मिनट बाद पानी से निकालकर कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें। अब कड़ाही में तेल डालें जब तेल गरम हो जाये तो चिप्स को उसमें 1-2 मिनट के लिए डालें और करारा होते ही बाहर निकालकर पेपर पर रख दें। अतिरिक्त तेल निकलने के बाद सेंधा नमक डालकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

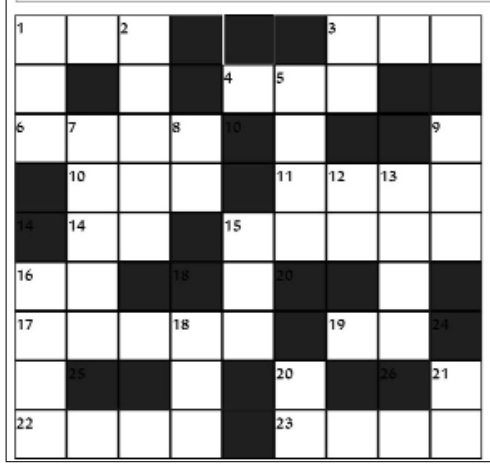

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 34 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सू-दोकू

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.34का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5